RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : शनिवार 10 जून 2023 वर्ष 05 अंक 50 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 8 कीमत : 03 रुपये

दैनिक रोकठोक लेखनी

खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

गैर मजहब वालों से दोस्ती न करें, निकाह में देरी नहीं... मुंबई में किसने लगा दिए 'मजहबी' पोस्टर?

मुंब्रा : सिनेनगरी के मुंब्रा इलाके में नफरती पोस्टर्स लगाए जाने का मामला सामने आया है। इन पोस्टर्स में लिखित तौर पर उर्दू भाषा में अपील की गई है। मुंबई के मुंब्रा में लगाए गए इस पोस्टर में पारंपरिक मुस्लिम वेशभूषा में एक फोटो है। पोस्टर के जरिए अपील की गई है कि गैर मजहब वालों से दोस्ती करें। लड़कियों पर नजर रखी जाए और उनके निकाह में देरी नहीं होनी चाहिए। यानी पोस्टर्स के पीछे का मकसद पूरी तरह से साफ है कि जो लोग इस्लाम को नहीं मानते हैं उनसे मुस्लिम लड़कियों को दूरी बनानी चाहिए। इन पोस्टर्स के पीछे बीते दिनों हुई कोल्हापुर हिंसा को भी जोड़कर देखा जा रहा है. मजहबी तौर पर समाज में नफरत का संदेश देने वाले पोस्टर में मुस्लिम लड़कियों के लिए नियम-कानून का फरमान जारी किया गया है। इसमें लिखा है कि काफिरों (इस्लाम को न मानने वाले) से मेलजोल न बढ़ाएं। इसके साथ ही उनसे दोस्ती करने से भी दूर रहें।

मुंबई के डिब्बा वालों को मिलेगा घर...!

उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने लिया निर्णय...

मुंबई : टाइम मैनेजमेंट की पहचान कहे जाने वाले मुंबई के डिब्बा वालों के लिए अच्छी खबर है। मुंबई के हजारों डिब्बा वालों को अफोर्डेबल हाउसिंग स्कीम के तहत घर उपलब्ध कराने का निर्णय उपमुख्यमंत्री और गृह निर्माण मंत्री देवेंद्र फडणवीस ने लिया है। शुक्रवार को इस संबंध में उपमुख्यमंत्री ने मेघदूत बंगले पर संबंधित अधिकारियों की बैठक बुलाकर तत्काल कार्यवाही का निर्देश दिया। बीजेपी विधायक श्रीकांत भारतीय ने पत्रकारों को बताया कि मुंबई के डिब्बावालों को उनके काम करने वाले स्थान के आसपास ही घर उपलब्ध कराने का निर्णय उपमुख्यमंत्री ने लिया है। बीजेपी मुख्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में विधायक श्रीकांत भारतीय ने बताया कि आगामी 15 दिनों में कागजी कार्रवाई पूरी किए जाने के निर्देश दिए गए हैं।

25 साल से घर की मांग

डिब्बा वाले संगठन के उल्हास और रामदास ने कहा कि हम पिछले लगभग 25 साल से मुंबई में घर की मांग कर रहे हैं। उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस मामले में गंभीरता दिखाते हुए घर उपलब्ध कराने की प्रक्रिया शुरू की है। डिब्बे वालों को आशा है कि मुंबई में उनके सपनों का घर उपलब्ध हो सकेगा।

मुंबई में 5,000 डिब्बा वाले

उल्लेखनीय है कि मुंबई में सन 1860 से ही मुंबई में डिब्बा वाले कार्यरत हैं। इन डिब्बा वालों की सबसे पुरानी अधिकृत संस्था है। समय के साथ व कोरोना काल में इनकी संख्या काफी तेजी से घट गई, हालांकि अभी भी लगभग 5,000 डिब्बा वाले काम कर रहे हैं। श्रीकांत भारतीय ने बताया कि मुंबई में स्थित डिब्बा वाले भवन के आधुनिकीकरण के काम में निधी खर्च की जाएगी। इन डिब्बा वालों की ख्याति विदेशों में अमेरिका,इंग्लैंड तक पहुंची हुई है। मुंबई के सेंट्रल, वेस्टर्न और हार्बर तीनों हिस्सों में कार्य करने वाले इन डिब्बावालों के टाइम मैनेजमेंट पर शोध होता है।

शरद पवार को मिली जान से मारने की धमकी...

मुंबई पुलिस कमिश्नर से मिलने पहुंचीं सुप्रिया सुले

मुंबईः एनसीपी अध्यक्ष शरद पवार को धमकी दिए जाने का मामला सामने आया है। इस बात की जानकारी खुद शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले ने दी है। सुप्रिया सुले ने बताया कि शरद पवार को यह धमकी वाट्सऐप पर दी गई है। इस मामले में सुप्रिया सुले ने मुंबई पुलिस कमिश्नर से मुलाकात कर शिकायत दर्ज कराई है। बताया जा रहा है कि वाट्सऐप पर मिली धमकी में कहा गया है कि शरद पवार तुम्हारा दाभोलकर जैसा हाल होगा। वहीं सुप्रिया सुले ने कहा है कि अगर मेरे पिता शरद पवार को किसी भी तरह से नुकसान पहुंचता है तो इसका जिम्मेदार गृह मंत्रालय होगा. शरद पवार की बेटी और बारामती सांसद सुप्रिया सुले ने मुंबई के पुलिस कमिश्नर से मुलाकात के बाद कहा, ह्यशरद पवार को वॉट्सऐप पर धमकी मिली है। इस तरह की घटिया राजनीति बंद होनी चाहिए। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और डेप्युटी सीएम देवेंद्र फडणवीस इस मामले में सख्त ऐक्शन लें।ह्व शरद पवार के नाम से मेरे व्हाट्सएप पर संदेश आया है। उन्हें एक वेबसाइट से धमकी दी गई है और साथ ही संबंधित अकाउंट से भी ऐसे ही संदेश आए हैं। मैं यहां न्याय मांगने आई हूं। मेरी केंद्रीय गृह मंत्री और महाराष्ट्र के गृह मंत्री से मांग है कि ये जो गंदी राजनीति हो रही है, वो रुकनी चाहिए.

ठाणे पुलिस की बड़ी कार्रवाई, छापेमारी में मिला हथियारों का जखीरा!

बुलढाणाः महाराष्ट्र की ठाणे पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए 14 देसी पिस्टल, 80 जिंदा कारतूस, 25 मैगजीन जब्त किया है. यह कार्रवाई मध्य प्रदेश के सीमावर्ती इलाके से सटे बुलढाणा जिले के संग्रामपुर तहसील के पास की गई है. कुछ दिनों पहले ठाणे पुलिस ने ऐसी ही एक कार्रवाई ठाणे में भी की थी. वहीं से मिले इनपुट के आधार पर अब यह कार्रवाई बुलढाणा में की गई है.1 जून को ठाणे की राबोडी पुलिस ने इस मामले में एक शख्स को पकड़ा था. उसके पास से एक देसी पिस्टल बरामद हुआ था.

नाला सफाई को लेकर सख्त हुए टीएमसी कमिश्नर

लापरवाही कर रही इस कंपनी को किया ब्लैक लिस्ट...

ठाणे : शहर के नाला सफाई के काम में लापरवाही बरतने वाले ठेकेदारों के खिलाफ ठाणे महानगरपालिका प्रशासन ने सख्त रुख अख्तियार किया है। ठाणे महानगरपालिका कमिश्नर अभिजीत बांगर के आदेश पर उथलसर प्रभाग समिति क्षेत्र में नाला सफाई का काम करने वाली कंपनी मे. जे एस इंफ्राटेक ब्लैक लिस्ट कर दिया गया है। टीएमसी कमिश्नर ने कहा है कि काम में किसी तरह की खामी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। गलत करने वाले ठेकेदार और अन्य संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। ठाणे महानगरपालिका के अधिकारियों को लगातार शिकायत मिल रही थी कि उथलसर प्रभाग समिति क्षेत्र में नाला सफाई का काम ठीक ढंग से नहीं किया जा रहा है। इस संदर्भ में ठेका लेने वाली कंपनी को नोटिस दिया गया था। नोटिस का असर नहीं होने पर उसके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई भी की गयी। बार-बार नोटिस दे कर काम व्यस्थित करने के लिए कहा गया। यही नहीं उस पर 1 लाख 15 हजार रुपए का दंड लगाया गया था ।

टीएमसी प्रशासन के नोटिस का ठेकेदार ने नहीं दिया जवाब

पिछले सप्ताह नाला सफाई के काम का जायजा लेने के लिए ठाणे महानगरपालिका कमिश्नर अभिजीत बांगर खुद उथलसर प्रभाग समिति क्षेत्र का दौरा किया था। नाला सफाई का जायजा लेने के दौरान चांदीवाला कांप्लेक्स से एसटी वर्कशॉप, के-विला से सरस्वती स्कूल, साकेत ब्रिज खाड़ी, कैसल मिल ब्रिज से आनंद पार्क ब्रिज तक के नालों की सफाई ठीक से नहीं हुई थी। कई स्थानों पर नाला सफाई का काम अभी तक शुरू भी नहीं हुआ था। उस समय बांगर ने नाला सफाई के काम को लेकर कड़ी नाराजगी जतायी थी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया था कि ठेकेदार को नोटिस दे कर जवाब मांगों कि उसे ब्लैक लिस्ट क्यूं नहीं किया जाए।

जून माह के दूसरे सप्ताह में भी काम पूरा नहीं हो पाया

नाला सफाई के काम में उदाशीनता और अनियमितता बरतने के आरोप में कमिश्नर बांगर ने जे एस इंफ्राटेक को ब्लैक लिस्ट करने का निर्णय लिया। जे एस इंफ्राटेक कंपनी तीन सालों तक महानगरपालिका के किसी भी निविदा प्रक्रिया में हिस्सा नहीं ले सकेगी। कमिश्नर बांगर ने 31 मई तक नाला सफाई का काम पूरा करने का निर्देश दिया था, लेकिन जून महीने के दूसरे सप्ताह में भी काम पूरा नहीं हो पाया है।

संपादकीय / लेख

कनाडा में घिनौनी हरकत

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

कनाडा में बेलगाम होते खालिस्तान समर्थकों की गतिविधियां किसी से छिपी नहीं, लेकिन अब उनका दुस्साहस इतना अधिक बढ़ गया है कि वे इंदिरा गांधी की हत्या का खुलेआम जश्न भी मनाने लगे हैं। कनाडा के ब्रैंपटन शहर में खालिस्तान समर्थकों ने जिस तरह एक परेड निकाली और उसमें इंदिरा गांधी की हत्या करते हुए दिखाया गया, वह बेहद शर्मनाक और घिनौना है। यह परेड करीब पांच किमी तक निकाली गई। स्पष्ट है कि कनाडा की पुलिस आतंक का महिमामंडन करने वाली इस घिनौनी परेड को चुपचाप देखती रही। आतंकवाद का ऐसा खुला और नग्न समर्थन कनाडा के साथ सभ्य समाज को शर्मसार करने वाला है। इसमें संदेह नहीं कि कनाडा में यह शर्मनाक घटना इसीलिए घटी, क्योंकि वहां की सरकार खालिस्तान समर्थकों को बढ़ावा देने में लगी हुई है। इसी के चलते उनका दुस्साहस बढ़ता चला जा रहा है। कनाडा में खालिस्तान समर्थक कभी भारतीय उच्चायोग को घेरते हैं, कभी भारतीयों पर हमले करते हैं और कभी मंदिरों को निशाना बनाते हैं। कनाडा सरकार हर बार इन खालिस्तानी चरमपंथियों के खिलाफ कार्रवाई करने की बात कहकर चुप्पी साध लेती है। उसके इसी रवैये के कारण कनाडा खालिस्तान समर्थक अपराधियों और आतंकियों का पसंदीदा ठिकाना बन गया है। ऐसे न जाने कितने अपराधी और आतंकी हैं, जो कनाडा में रहकर पंजाब में हिंसा और आतंक फैलाने की साजिश रचते रहते हैं। कनाडा सरकार ऐसे तत्वों के खिलाफ कभी कुछ नहीं करती। इंदिरा गांधी की हत्या का जश्न मनाने वाले कृत्य पर इससे संतुष्ट नहीं हुआ जा सकता कि भारत में कनाडा के उच्चायुक्त ने यह कहा कि इस शर्मनाक प्रकरण से वह हैरान-परेशान है और उनके देश में घृणा के महिमामंडन के लिए कोई जगह नहीं। यह बयान लीपापोती के अलावा और कुछ नहीं, क्योंकि सच यही है कि कनाडा में खालिस्तान समर्थकों की कट्टरता और नफरत को पालने-पोसने का काम बड़ी ही बेशर्मी से किया जा रहा है। वैसे तो उग्रपंथी खालिस्तान समर्थक दुनिया के कई देशों में सक्रिय हैं, लेकिन वे जितने कनाडा में बेलगाम हैं, उतने अन्यत्र कहीं नहीं।

इसका कारण यह है कि कनाडा की वर्तमान सरकार उस राजनीतिक दल के समर्थन के भरोसे सत्ता में है, जिसमें खालिस्तान समर्थक भरे पड़े हैं। कनाडा की सरकार संकीर्ण राजनीतिक कारणों से खालिस्तान समर्थकों की अराजक और नफरत फैलाने वाली हरकतों की जानबूझकर अनदेखी कर रही है। यह अच्छा हुआ कि विदेश मंत्री एस.जयशंकर ने बिना किसी लाग लपेट कहा कि कनाडा की धरती का इस्तेमाल भारत विरोधी गतिविधियों के लिए हो रहा है और वहां खालिस्तान समर्थकों को मिल रहे समर्थन से दोनों देशों के संबंध खराब हो सकते हैं। चूंकि इसके आसार कम हैं कि भारत सरकार की आपत्ति के बाद कनाडा सरकार खालिस्तान समर्थक अराजक तत्वों को समर्थन देने से बाज आएगी, इसलिए यह आवश्यक है कि उस पर कूटनीतिक दबाव बढ़ाया जाए।

+91 99877 75650
editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalshaikh_91

मुंबई में रेप और मर्डर मामले पर अजित पवार का बड़ा बयान...

बोले- 'इतना बड़ा हॉस्टल होने के कारण...'

मुंबई : मुंबई के मरीन ड्राइव इलाके में सावित्रीबाई फुले छात्रावास में एक 18 वर्षीय लड़की की हत्या कर दी गई. गंभीर मामला यह है कि पीड़िता का शव नग्न अवस्था में मिला है. यह भी आशंका जताई जा रही है कि पीड़िता के साथ दुष्कर्म भी किया गया है. आरोप है कि हॉस्टल के सिक्योरिटी गार्ड ने पीड़िता के साथ रेप किया और उसकी हत्या कर दी.

आरोपी ने कर ली आत्महत्या

इस हरकत के बाद आरोपी ने चर्नी रोड स्टेशन के पास ट्रेन के नीचे कूद कर आत्महत्या कर ली. प्रदेश के नेता प्रतिपक्ष अजित पवार ने मरीन लाइन थाने जाकर इस रोषपूर्ण घटना की जानकारी ली. पीड़िता के परिजनों से भी मिले. इसके बाद अजित पवार ने मीडिया को जानकारी दी.

अजित पवार का बयान

अजित पवार ने कहा, ''मुंबई के चर्चगेट इलाके में सावित्रीबाई फुले छात्रावास में उस युवती के साथ दुर्भाग्यपूर्ण घटना हुई. इसके बाद उसके माता-पिता, भाई गांव से मुंबई आ गए. इन माता-पिता के जुड़वां लड़के और लड़कियां थीं. दोनों 10वीं कक्षा तक अकादमिक रूप से मेधावी माने जाते थे. लड़के ने 10वीं के बाद पुणे में आईटीआई करने के लिए एडमिशन लिया. लड़की पढ़ाई के लिए मुंबई आई थी.

अजित पवार ने कहा, ''दोपहर में मैंने जो शक जताया था वह सच साबित हुआ. सावित्रीबाई फुले छात्रावास में 450 लड़कियों की व्यवस्था है. वहीं, वहां महज 10 फीसदी लड़कियां ही रहती हैं. दिलचस्प बात यह है कि पीड़िता चौथी मंजिल के एक कमरे में अकेली रहती थी. इतना बड़ा हॉस्टल होने के कारण सभी लड़कियों को एक ही मंजिल पर रखा जा सकता था. क्यों नहीं?''

अन्य संभावनाओं की हो रही जांच

अजित पवार ने आगे कहा, 'पुलिस ने हॉस्टल के रेक्टर से तरह-तरह के सवाल पूछे हैं. यह भी चेक किया गया कि सीसीटीवी में कौन निकला. सुबह चार से पांच बजे के बीच दुष्कर्म करने वाला हॉस्टल से बाहर आया. उसने रेलवे ट्रैक पर जाकर आत्महत्या कर ली. तो यह भी कोई प्रमाण नहीं है. इसलिए क्या कोई अन्य संभावनाएं हैं, इसकी भी जांच की जा रही है.''

अजित पवार ने आगे कहा, ''मैंने और अमोल मितकर ने पुलिस को बताया है कि पीड़ित और आरोपी दोनों के फोन पुलिस के पास हैं. इसलिए, पुलिस को नई तकनीक का इस्तेमाल करना चाहिए ताकि यह पता चल सके कि वे किससे बात कर रहे थे, उन्होंने क्या कहा और कितनी देर तक बात की.''

झावेरी बाजार में 5 मंजिला इमारत में लगी भीषण आग, टूटने लगी थीं सीढ़ियां, फंसे लोगों को ऐसे बचाया गया

मुंबईः मुंबई के झावेरी बाजार इलाके में शुक्रवार रात एक पांच मंजिला इमारत में आग लग गई. अधिकारियों ने बताया कि आग बुझाने के लिए दमकल की 12 से ज्यादा गाड़ियां मौके पर पहुंचीं हैं और पानी के 8 टैंकरों को भी घटनास्थल पर लाया गया. दमकल विभाग ने इमारत में फंसे सभी 50-60 लोगों को बाहर निकाल लिया है. इस हादसे में अभी तक किसी के हताहत की सूचना नहीं मिली है. घटनास्थल पर मौजूद दमकल विभाग के अधिकारी ने कहा, 'आग गुरुवार रात 1 बजकर 38 मिनट पर लगी. आग पर शुक्रवार सुबह 6 बजकर 22 मिनट तक पूरी तरह से काबू पा लिया गया. 'शुरूआत में आग इमारत की निचली मंजिलों में लगी थी लेकिन जल्दी ही ऊपरी छह मंजिलों तक फैल गई. आग ने इमारत की पहली, दूसरी, तीसरी, चौथी और पांचवीं मंजिल को बुरी तरह प्रभावित किया है. मुंबई फायर ब्रिगेड ने फंसे व्यक्तियों को सुरक्षित निकालने के लिए बगल की इमारत की सीढ़ियों का उपयोग करते हुए तेजी से बचाव अभियान शुरू किया. तेज गर्मी और आग की लपटों के कारण पहली और दूसरी मंजिल पर छत का एक हिस्सा और साथ ही सीढ़ी का एक हिस्सा ढह गया. अभी इस हादसे को लेकर और जानकारी की प्रतीक्षा की जा रही है.

23वीं मंजिल से कूदा बोर्ड परीक्षा में 92 फीसदी नंबर लाने वाला छात्र, सदमे में परिवार

ठाणेः महाराष्ट्र के ठाणे से एक दुखद घटना सामने आ रही है. यहां पर 15 वर्षीय लड़के ने बिल्डिंग की 23वीं मंजिल से कूदकर खुदखुशी कर ली है. घटना बृहस्पतिवार-शुक्रवार की दरमियानी रात को 2 बजे की है. बिल्डिंग के लोगों ने तेज आवाज सुनी थी. जब बाहर आकर देखा तो खून से लथपथ बच्चे का शव जमीन पर पड़ा हुआ था. तुरंत ही इस घटना की खबर पुलिस को दी गई थी. पुलिस ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है. शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया गया है. बच्चे ने खुदखुशी क्यों की फिलहाल इसका ठोस कारण सामने नहीं आ सका है.

दरअसल, घटना ठाणे के वर्तक नगर क्षेत्र की है. यहां पर उपस्थित बहुमंजिला इमारत की 23वीं मंजिल से 15 वर्षीय युवक ने छलांग लगा तथा उसकी मौत हो गई. घटना की खबर पुलिस की दी गई थी. मौके पर पहुंची पुलिस को बिल्डिंग के लोगों ने बताया था कि रात के दो बजे तेज आवाज सुनाई दी थी. जब देखा तो खून से लथपथ बच्चे की लाश जमीन पर पड़ी हुई थी. पुलिस ने कहा कि आकस्मिक मौत का मुकदमा दर्ज किया गया है तथा मामले में आगे की तहकीकात की जा रही है. सामने आया है कि हाल ही लड़के का 10वीं कक्षा का बोर्ड का परिणाम आया हुआ था. उसने 92वीं प्रतिशत अंक हासिल किए थे. आपको बता दें कि, पिछली 2 जून को महाराष्ट्र स्टेट बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एंड हायर एजुकेशन का परिणाम घोषित किया गया था. कुल 93.83 प्रतिशत विद्यार्थी परीक्षा में उत्तीर्ण हुए हैं.

झीलों में बचा महज 11 पर्सेंट पानी, लेट मॉनसून ने बढ़ाई परेशानी...

क्या मुंबई में पानी के लिए होगा हाहाकार?

मुंबई : मुंबईकरों के सामने पानी कटौती का संकट पैदा हो गया है, क्योंकि मुंबई को पानी देने वाली सातों झीलों में उनकी कुल क्षमता का सिर्फ 10.9 प्रतिशत पानी बचा है। बीएमसी के एक अधिकारी ने बताया कि मॉनसून सक्रिय होने में करीब एक सप्ताह का समय है। झीलों में जब 8 प्रतिशत पानी रह जाएगा, तब बीएमसी प्रशासन पानी कटौती को लेकर विचार करेगा। अगले 10 दिनों में वॉटर स्टॉक आठ पर्सेंट पर आने की आशंका है। ऐसे में, यह बैठक जून मध्य में हो सकती है। मौसम विभाग के अनुसार इस बार मुंबई में मॉनसून देर से आ सकता है। इस वजह से बीएमसी प्रशासन की चिंता बढ़ गई है। मोडक सागर, तानसा, विहार, तुलसी, मध्य वैतरणा, भातसा, अपर वैतरणा से प्रतिदिन 3850 एमएलडी पानी की आपूर्ति होती है। वर्तमान में इन झीलों में सिर्फ 157814 एमएलडी पानी का स्टॉक रह गया है, जो पिछले तीन सालों में सबसे कम है। वर्ष 2022 में इस दौरान मुंबई को पानी देने वाली झीलों में उनकी कुल क्षमता का 212461 एमएलडी यानी 14.68 पर्सेंट पानी का स्टॉक था। वहीं, वर्ष 2021 में 185865 एमएलडी यानी कुल क्षमता का 12.84 प्रतिशत पानी का स्टॉक बचा था।

मॉनसून आने में देरी

अधिकारी के कहा कि हर साल के मुकाबले इस साल मॉनसून लगभग एक सप्ताह देरी से मुंबई आ रहा है।

मॉनसून सक्रिय होने के बाद झील क्षेत्रों में कैसी बारिश होती है, उस पर बहुत कुछ निर्भर करेगा कि पानी कटौती की स्थिति आएगी या नहीं। मुंबई में अच्छी बारिश हो और ठाणे एवं नाशिक जिलों में जहां झीलें हैं, वहां अच्छी बारिश नहीं हो, तो कोई फायदा नहीं है। अधिकारी ने कहा कि हमने सरकार से भी रिजर्व कोटे से पानी लेने का परमिशन ले लिया है। हालांकि, इसका इस्तेमाल करने से पहले बीएमसी कमिश्नर से परमिशन लेना पड़ेगा।

मुंबई की किस झील में बचा कितना पानी?

मुंबई को पानी आपूर्ति करने वाली अपर वैतरणा, मध्य वैतरणा, मोडक सागर और तानसा झील में 88500 एमएलडी, यानी उसकी कुल क्षमता का 13 प्रतिशत पानी बचा है। मोडक सागर में 30714 एमएलडी, यानी 24 प्रतिशत पानी का स्टॉक है। तानसा में 31906 एमएलडी पानी है, जो उसकी कुल क्षमता का 22 प्रतिशत है। भातसा झील में 60076 एमएलडी पानी है, जो उसकी कुल क्षमता का 8.38 प्रतिशत है। पिछले तीन वर्षों में यह सबसे कम स्टॉक है। भातसा राज्य सरकार की सबसे बड़ी झील है, जिससे बीएमसी को पानी की आपूर्ति होती है। विहार झील में 6830 एमएलडी, यानी 25 प्रतिशत और तुलसी झील में 2409 एमएलडी, यानी उसकी कुल भंडारण क्षमता का 29.94 प्रतिशत पानी झील में रह गया है।

घट रहा है रिजर्व स्टॉक

राज्य सरकार ने मुंबई के लिए का रिजर्व स्टॉक रखा है, जिसकी कुल क्षमता 1597363 एमएलडी है। वर्तमान में कुल पानी का स्टॉक 293642 एमएलडी रह गया है, जो टोटल यूजफुल कंटेंट एवं रिजर्व स्टॉक का 18.38 प्रतिशत है। बीएमसी के एक अधिकारी ने बताया कि आरक्षित जलाशय से प्रतिदिन 150 एमएलडी पानी के इस्तेमाल की अनुमति मिल गई है। झीलों में पानी के घटते स्तर को देखते हुए बीएमसी प्रशासन ने आपात स्थिति में राज्य सरकार से रिजर्व वायर (आरक्षित जलाशय) से पानी इस्तेमाल की अनुमति मांगी थी, जिसका परमिशन सरकार ने दे दिया है।

फडणवीस, नारायण राणे और मनोज कोटक...

मोदी मंत्रिमंडल विस्तार, पर महाराष्ट्र सियासत में क्यों मची हलचल?

मुंबई: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अमेरिका दौरे से पहले केंद्रीय मंत्रिमंडल में फेरबदल होने की खबर है। हालांकि फेरबदल की चर्चा पिछले चार महीने से चल रही है, लेकिन प्रधानमंत्री की आगामी विदेश यात्रा के कार्यक्रम को देखते हुए इसमें फिर तेजी आई है। कहा जा रहा है कि केंद्र में प्रस्तावित मंत्रिमंडल फेरबदल का महाराष्ट्र की राजनीति पर बड़ा असर पड़ेगा। खबर है कि नारायण राणे का केंद्रीय मंत्री पद जा सकता है और महाराष्ट्र में आगामी चुनावों को देखते हुए महाराष्ट्र से दो या तीन नेताओं को केंद्र में मंत्री बनाया जा सकता है। इनमें दो बीजेपी से और शिवसेना (शिंदे) से एक मंत्री को शामिल किया जा सकता है। खबर यह भी है कि मुंबई महानगरपालिका के चुनाव और मुंबई में बीजेपी के समर्थक गुजराती वोटरों की संख्या को देखते हुए सांसद मनोज कोटक को भी केंद्र में मंत्री बनाया जा सकता है। बीजेपी से मंत्री बनने वाला दूसरे व्यक्ति के तौर पर दिल्ली के राजनीतिक सर्कल में देवेंद्र फडणवीस के नाम की चर्चा है।

नितेश राणे को मौका!

सूत्रों का यह भी कहना है कि राणे को केंद्रीय मंत्रिमंडल से ड्रॉप करने के बाद उनके बेटे नितेश राणे को महाराष्ट्र में शिंदे-फडणवीस सरकार में मंत्री बनाया जा सकता है। कहा यह भी जा रहा है कि राणे खुद अपने बेटे को मंत्री बनाना चाहते हैं। दिल्ली के सूत्रों के मुताबिक, पिछले रविवार को एकनाथ शिंदे और देवेंद्र फडणवीस ने दिल्ली जाकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की थी। इस मुलाकात में शिंदे ने शिवसेना के लिए दो मंत्री पद, एक कैबिनेट और एक राज्य मंत्री देने की बात की थी, लेकिन शाह ने उसी समय साफ कर दिया कि शिवसेना को सिर्फ एक मंत्री पद ही दिया जा सकता है। वहीं राज्य में मंत्रिमंडल विस्तार केंद्र में मंत्रिमंडल विस्तार के बाद ही होगा। शिंदे चाहते थे कि शिवसेना के स्थापना दिवस 19 जून से पहले राज्य मंत्रिमंडल विस्तार हो। शाह ने इस पर विचार करने की बात कही है। दिल्ली के सूत्रों के अनुसार, केंद्रीय मंत्रिमंडल का विस्तार 8 से 15 जून के बीच कभी भी हो सकता है, क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 21 से 24 जून तक अमेरिका की राजनयिक यात्रा का कार्यक्रम तय है लेकिन उससे पहले 17 या 18 जून को उनके इजिप्ट जाने की भी चर्चा है।

सत्ता संघर्ष को लेकर बड़ी खबर!

राहुल नार्वेकर ने चुनाव आयोग को भेजा पत्र, क्या फिर होगा शिंदे और उद्धव का आमना-सामना

महाराष्ट्र : हाल ही में महाराष्ट्र के सत्ता संघर्ष को लेकर एक बड़ी खबर सामने आ रही है। महाराष्ट्र में विधायकों की अयोग्यता के कार्रवाई का सिलसिला अब तेज हो गया है। ऐसे में अब विधायक की ओर से केंद्रीय चुनाव आयोग को पत्र भेजा गया है। इस पत्र के जरिए चुनाव आयोग से शिवसेना के संविधान की कॉपी मांगी गई है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार जरूरत पड़ने पर जल्द ही दोनों गुटों के प्रमुखों को सुनवाई के लिए बुलाया जाएगा।

असली शिवसेना कौन?

ऐसे में अब मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और ठाकरे गुट के प्रमुख उद्धव ठाकरे को अब विधानमंडल के समक्ष अपनी बात रखनी होगी। विधायकों की अयोग्यता पर फैसला करने से पहले विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर तय करेंगे कि असली शिवसेना कौन है। अब देखना यह होगा कि इस विषय पर क्या फैसला आता है।

राहुल नार्वेकर चुनाव आयोग को पत्र

संभावना है कि शिंदे गुट के विधायकों की अयोग्यता के संबंध में फैसला लेने से पहले विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर असली शिवसेना कौन है, इस पर फैसला लेंगे। फिर ही इसके बाद अयोग्यता के संबंध में निर्णय लिया जाएगा। इस पृष्ठभूमि में विधानसभा अध्यक्ष ने चुनाव आयोग को पत्र लिखा है। इस पत्र के जरिए चुनाव आयोग ने शिवसेना के घटना की मांग की है।

शिंदे- उद्धव आमने सामने?

जी हां सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक जरूरत पड़ने पर जल्द ही दोनों गुटों के प्रमुखों को सुनवाई के लिए बुलाया जाएगा। शिवसेना पर दोनों गुटों ने दावा किया है, एक बार फिर दोनों गुटों को सबूत पेश करने हैं। ऐसे में अब इस केस में एक रिवर्स चेक भी किया जा सकता है।

निर्णय लेने की जिम्मेदारी विधानसभा अध्यक्ष की..

गौरतलब हो कि पिछले महीने सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र के सत्ता संघर्ष पर अपना फैसला सुनाया था। इस समय तत्कालीन राज्यपाल और चुनाव आयोग की अदालत ने खिंचाई की थी। साथ ही कोर्ट ने अपने आदेश में कहा था कि शिंदे समूह शिवसेना द्वारा नियुक्त भरत गोगावले असंवैधानिक हैं। उसके बाद विधायकों की अयोग्यता के संबंध में निर्णय लेने की जिम्मेदारी विधानसभा अध्यक्ष को सौंपी गई थी। अब देखना होगा की महाराष्ट्र में सत्ता संघर्ष को लेकर फैसला किसके हित में आता है।

महिला के साथ दुष्कर्म करने वाला 'बाबा' गिरफ्तार

अमरावती : महाराष्ट्र के अमरावती में 'बाबा' होने का दावा करने वाले एक व्यक्ति को इलाज कराने आई एक महिला के साथ दुष्कर्म करने के आरोप में बृहस्पतिवार को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अनुमंडल पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) गुरुनाथ नायडू ने बताया कि आरोपी की पहचान जिले के दरियापुर इलाके के कुक्सा गांव के संतोष बावने के रूप में हुई है। एसडीपीओ ने कहा, ''महिला अपने पति के साथ आरोपी के पास गई थी। आरोपी ने उसके पति को कुछ सामान खरीदने के लिए बाहर भेजा और महिला के साथ दुष्कर्म किया। तथाकथित बाबा को गिरफ्तार कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है।''

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : शनिवार 10 जून 2023

महाराष्ट्र के सीएम शिंदे परिवार समेत मां वैष्णो दरबार पहुंचे, श्राइन बोर्ड ने की चुनरी भेंट

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे ने वीरवार को परिवार के साथ मां वैष्णो देवी के दरबार में माथा टेका। श्राइन बोर्ड प्रशासन ने मां वैष्णो देवी की पवित्र चुनरी भेंट कर एकनाथ शिंदे को सम्मानित किया। शिंदे परिवार सहित विशेष हेलिकॉप्टर में जम्मू से सीधे भवन मार्ग के पंछी हेलिपैड पर करीब 3 बजे पहुंचे। जहां उनका स्वागत श्राइन बोर्ड के एडिशनल सीईओ नवनीत सिंह, एसीईओ अजय सलान के साथ ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने किया। यहां से वह बैटरी कार में सीधे मां वैष्णो देवी भवन में 3:45 पर पहुंचे। कुछ देर आराम कर शाम को मां वैष्णो देवी के दरबार में माथा टेका। इस मौके पर श्राइन बोर्ड ने पवित्र चुनरी भेंट कर उन्हें सम्मानित

किया। शाम करीब 5.30 बजे वह मां वैष्णो देवी के भवन से हेलिपैड पहुंचे और फिर विशेष हेलिकॉप्टर से जम्मू के लिए रवाना हो गए।

मां वैष्णो देवी के बाद आस्था का बड़ा केंद्र होगा तिरुपति बालाजी मंदिर

जम्मू संभाग अब धार्मिक पर्यटन के मानचित्र पर एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में उभरेगा। ऐतिहासिक और धार्मिक स्थलों के धनी जम्मू में श्री रघुनाथ मंदिर और माता बावे वाली मंदिर के बाद तिरुपति बालाजी का मंदिर आस्था और अध्यात्म का नए केंद्र बनेगा। जम्मू में तिरुपति बाला जी का मंदिर न सिर्फ शहरवासियों, बल्कि देश भर से माता वैष्णो देवी और बाबा अमरनाथ के दर्शन करने वाले वाले भक्तों के लिए बड़ा केंद्र होगा। मंदिर के निर्माण से मां वैष्णो देवी के दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालु अब जम्मू भी रुकेंगे। दक्षिण भारत से आने वाले भक्तों को जम्मू में अपनेपन का एहसास होगा। वहीं उत्तर भारत के भक्तों को जम्मू में दक्षिण भारत की धार्मिक संस्कृति से रूबरू होने का मौका मिलेगा। उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, राजस्थान, पंजाब और हिमाचल के भक्तों को जम्मू में तिरुपति बाला जी के दर्शन करने का मौका मिलेगा। जम्मू संभाग के रियासी जिले में माता वैष्णो देवी, शिवखोड़ी, पुंछ में बुड्ढा अमरनाथ, किश्तवाड़ में मचैल माता, सरथल माता का मंदिर जैसे बड़े और ऐतिहासिक धार्मिक स्थल हैं, जहां हर साल हजारों लोग दर्शन करते हैं।

एचआईवी पॉजिटिव है सरस्वती को मारने वाला मनोज साने

कहा- 'उसे कभी टच भी नहीं किया, बेटी जैसी थी'!

मुंबईः महाराष्ट्र के ठाणे में मीरा रोड स्थित गीता नगर इलाके में हुए इस क्रूर हत्याकांड को जो कोई सुन रहा वो हैरान है. आरोपी मनोज साने ने पहले अपनी लिव इन पार्टनर सरस्वती वैद्य की हत्या की और फिर शव के छोटे-छोटे टुकड़े कर उन्हे कुत्तों को खिला दिया. हैवानियत की हदे पार करने वाले इस मामले में हर दिन एक चौंकाने वाला खुलासा हो रहा है. आरोपी मनोज को गुरुवार को ठाणे कोर्ट में पेश किया गया था, जहां से उसे 16 जून तक पुलिस कस्टडी में भेज दिया गया. अंग्रेजी वेबसाइट द इंडियन एक्सप्रेस के मुताबिक पुलिस पूछताछ में मनोज साने पुलिस को बताया कि वह एचआईवी पॉजिटिव है और उसने कभी सरस्वती के साथ शारीरिक संबंध नहीं बनाए. उसने कहा सरस्वती के साथ संबंध ना बनाने का एक और कारण था कि वो उसकी बेटी की तरह थी.

जानकारी के मुताबिक पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपी ने पूछताछ में कहा है कि उसकी लिव इन पार्टनर सरस्वती ने 3 जून को आत्महत्या कर ली थी. उसके आत्महत्या करने के बाद उसे लगातार ये डर सता रहा था कि अब इस मामले में पुलिस उसी पर ही केस दर्ज करेगी. इसी कारण उसने शव को ठिकाने लगाने की प्लानिंग की. उसने पुलिस को बताया कि शव को ठिकाने लगाने के बाद वो आत्महत्या करने की योजना बना चुका था और जो भी कुछ हुआ उसे उसका कोई पछतावा नहीं है.

आरोपी ने पुलिस पूछताछ में कबूली शव को उबालने और काटने की बात

पुलिस ने कहा कि आरोपी ने सरस्वती के शव को पहले इलेक्ट्रिक ट्री कटर से छोटे-छोटे हिस्सों में काटा उसके बाद आरोपी ने कथित तौर पर प्रेशर कुकर में शव के कुछ हिस्सों को उबाला और उन्हें गैस पर भून लिया, ताकि वो आसानी से टुकड़ों को फेंक सके. एक अधिकारी ने कहा कि उसने टुकड़ों को बाल्टी, टब, कुकर और रसोई में अन्य बर्तनों में रखा था और उन्हें इतना छोटा कर दिया था कि पुलिस उन्हें गिन भी नहीं सके. एक सीनियर ऑफिसर ने कहा, शुरूआती पूछताछ के दौरान, साने ने पुलिस को बताया कि 2008 में उसे पता चला कि वह एचआईवी पॉजिटिव है, तब से वह दवा पर है. उन्होंने कहा कि उन्हें शक है कि बहुत समय पहले एक दुर्घटना में साने बुरी तरह घायल हो गया था उस दौरान संक्रमित ब्लड के उपयोग के कारण उसे यह बीमारी हुई है. 'सरस्वती बहुत शकी थी, लेट आने पर वो हमेशा शक किया करती थी' अधिकारी ने बताया कि पुलिस के सामने आरोपी के कबूलनामे के मुताबिक उसकी लिव इन पार्टनर स्वभाव से बहुत पजेसिव थी और उसे शक था कि जब भी मनोज देर से घर लौटता है तो वो किसी और के साथ होता है.

वसई विरार मनपा 14 साल बाद भी नही कर सकी शिक्षा बोर्ड का गठन

शिक्षा बोर्ड न होने के कारण मनपा का एक भी स्कूल नही

2009 से अब तक मनपा ने शिक्षा कर के नाम पर वसूला 216 करोड़ रुपय

विरार : वसई विरार महानगर पालिका की स्थापना वर्ष 2009 हुई थी । महानगर पालिका की स्थापना होकर 14 साल हो गये ,लेकिन मनपा ने बिना एक भी स्कूल खोले 2010 से अब तक शिक्षा कर के नाम पर 216 करोड़ की वसूली की है। महानगर पालिका की स्थापना के बाद से यह बात सामने आई है कि शिक्षा बोर्ड न होने के कारण महानगर पालिका ने एक भी स्कूल नहीं बनवा सकी।वही मनपा हर साल शिक्षा के नाम पर करोड़ो रुपए बजट पास करती है । ज्ञात हो कि वसई विरार महानगर पालिका की स्थापना वर्ष 2009 में हुई थी। मनपा की स्थापना को 14 साल हो जाने के बाद भी अभी तक मनपा एक भी स्कूल नहीं बना पाया है।एक भी स्कूल नहीं होने पर भी मनपा नागरिकों से शिक्षा कर वसूल रही है। मनपा के अधिकारी ने बताया कि अब तक 216 करोड़ का शिक्षा कर वसूला जा चुका है।

एक स्कूल स्थापित करने के लिए एक शिक्षा बोर्ड की आवश्यकता होती है। इस बोर्ड के माध्यम से स्कूल शुरू करने की प्रक्रिया शुरू की जाती है। लेकिन महानगर पालिका की स्थापना के समय ऐसा कोई शिक्षा बोर्ड स्थापित नहीं किया गया था। 14 साल बाद भी शिक्षा बोर्ड स्थापित नहीं किया गया । इसलिए मनपा का एक भी स्कूल शुरू नहीं हो सका।स्कूल के आरक्षित जगहों पर अतिक्रमण हुआ और स्कूल की जगह पर अंनधकृत इमारते या चालियो का निर्माण हो चुका है। जिला परिषद विद्यालयों को स्थानांतरित करने की मांग वसई विरार मनपा की स्थापना से पहले, ग्राम पंचायतें थीं। इसलिए जिला परिषद के माध्यम से स्कूल चलाए जा रहे थे। ग्राम पंचायतों की नगर परिषदों और बाद में नगर परिषदों के मनपा की स्थापना की गई। मनपा ने अपने एक भी स्कूल शुरू नहीं किए। उल्टे जिला परिषद के स्कूलों की पिछले कई वर्षों से तबादले की मांग मनपा आरक्षित जगहों पर अतिक्रमण हुआ और स्कूल की जगह पर अंनधकृत इमारते या चालियो का निर्माण हो चुका है।

जिला परिषद विद्यालयों को स्थानांतरित करने की मांग

वसई विरार मनपा की स्थापना से पहले, ग्राम पंचायतें थीं। इसलिए जिला परिषद के माध्यम से स्कूल चलाए जा रहे थे। ग्राम पंचायतों की नगर परिषदों और बाद में नगर परिषदों के मनपा की स्थापना की गई। मनपा ने अपने एक भी स्कूल शुरू नहीं किए। उल्टे जिला परिषद के स्कूलों की पिछले कई वर्षों से तबादले की मांग मनपा आरक्षित जगहों पर अतिक्रमण हुआ और स्कूल की जगह पर अंनधकृत इमारते या चालियो का निर्माण हो चुका है। जिला परिषद विद्यालयों को स्थानांतरित करने की मांग वसई विरार मनपा की स्थापना से पहले, ग्राम पंचायतें थीं। इसलिए जिला परिषद के माध्यम से स्कूल चलाए जा रहे थे। ग्राम पंचायतों की नगर परिषदों और बाद में नगर परिषदों के मनपा की स्थापना की गई। मनपा ने अपने एक भी स्कूल शुरू नहीं किए। उल्टे जिला परिषद के स्कूलों की पिछले कई वर्षों से तबादले की मांग मनपा आरक्षित जगहों पर अतिक्रमण हुआ और स्कूल की जगह पर अंनधकृत इमारते या चालियो का निर्माण हो चुका है। जिससे मनपा क्षेत्र में रहने वाले लाखो गरीब परिवार के बच्चे मनपा के स्कूल में पढ़ सके।

औरंगजेब की औलादें वाले बयान पर भड़के ओवैसी,

फडणवीस बताएं गोडसे-आप्टे के बच्चों की पहचान

मुंबई : जहां एक तरफ महाराष्ट्र के कोल्हापुर में हुए पथराव को लेकर अब राज्य के उपमुख्यमंत्री फडणवीस और अक्टक्ट प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी अब आमने-सामने हो गए हैं। दरअसल यह पूरा बवाल महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस द्वारा दिए गए औरंगजेब की औलादें वाले बयान को लेकर शुरू हुआ है। जिस पर अब ओवैसी ने फडणवीस पर तंज कसा है। और उन्हें अब औरंगजेब के बाद गोडसे और आप्टे की औलाद के पहचान भी बताने को कहा है। मामले पर अक्टक्ट प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि, महाराष्ट्र के गृह मंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा औरंगजेब के औलाद । मैं नहीं जानता था कि आप (देवेंद्र फडणवीस) इतने विशेषज्ञ हैं। तो फिर बताओ गोडसे और आप्टे की औलाद कौन है?

क्या था फडणवीस का बयान

दरअसल कोल्हापुर मामले पर महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने नागपुर में कहा था कि, महाराष्ट्र के कुछ ज़िलों में औरंगजेब की औलादें पैदा हुई हैं। वे औरंगजेब की फोटो दिखाते, रखते और स्टेटस लगाते हैं। इस कारण समाज में दुर्भावना और तनाव पैदा हो रहा है। सवाल यह है कि अचानक औरंगजेब की इतनी औलादें कहां से पैदा हो गई हैं। इसका असली मालिक कौन है वह हम ढूंढेंगे। परिस्थिति नियंत्रण में है। लोगों से अपील है कि वे कानून अपने हाथ में न लें।

क्या है मामला

जानकारी दें कि, महाराष्ट्र में कुछ मुस्लिम युवकों ने सोशल मीडिया पर औरंगजेब और टीपू सुल्तान की तस्वीरें अपने स्टेटस पर लगाई थी। इस तस्वीर के साथ औरंगजेब और टीपू सुल्तान की तारीफ में कैप्शन भी लिखा था। तब जिसके विरोध में बीते 7 जून को कोल्हापुर में हिंदुत्ववादी संगठनों ने एक मार्च निकाला। जिसके बाद कई जगहों पर हिंसा और पथराव हुआ, जिसे काबू में करने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज करनी पड़ी। हिंसा की इन घटनाओं में 36 लोगों को गिरफ्तार भी किया गया था।

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : शनिवार 10 जून 2023

अब मुंबई के इन दो स्टेशनों पर भी खुलेंगे रेस्टोरेंट ऑन व्हील, जुलाई से होंगे शुरू

मुंबई : यात्रियों को आरामदायक सफर मुहैया कराने के अलावा मध्य रेलवे ने हमेशा से नित नए तरीकों से उनकी सेवा करने का सिलसिला जारी रखा है। इसी सिलसिले को आगे बढ़ाते हुए मध्य रेलवे ने मुंबईकरों को रेल-थीम पर आधारित रेस्टोरेंट प्रदान करने का दायरा बढ़ाया है और अब इसे लोकमान्य तिलक टर्मिनस के साथ साथ अब दादर रेलवे स्टेशन पर भी शुरू करने का काम शुरू कर दिया हैं। सब कुछ प्लान के मुताबिक रहा तो आने वाले जुलाई से इस रेस्टोरेंट ऑन व्हील जैसे भोजनालय में लोग खाने का आनंद ले सकेंगे।

इसके लिए बोगी स्टेशन के सामने लगा दी गई है और जल्द ही इसमें डाइनिंग चेयर और अन्य जरूरी फिटिंग्स लगाकर इसके डेंटिंग पेंटिंग का काम शुरू होगा। गौरतलब है कि मध्य रेल अक्टूबर 2021 में ही सीएसटी स्टेशन से

सटकर पीडी मेलो रोड के प्रवेश द्वार के पास ऐसा एक रेस्तरां पहले ही खोल चुका है। मध्य रेलवे ने मुंबई के अलावा नागपुर में भी ऐसा ही एक रेस्टोरेंट खोला है।

पुराने कोचों को रेस्टोरेंट में तब्दील किया जाता है

इसके बारे में मध्य रेल के एक अधिकारी ने बताया कि बेकार पड़े रेल के एक पुराने कोचों को रेस्टोरेंट में तब्दील करने के लिए चुन लिया गया है और जल्दी ही इसे एक रेस्तरां ऑन व्हील के बदल दिया जाएगा। हमें उम्मीद ही नहीं, पूरा विश्वास है कि ये रेस्टोरेंट ऑन व्हील लोगों के खाने के एक पसंदीदा स्थान बन जाएंगे। गौरतलब है कि एक पुराने कोचों को रेस्टोरेंट में बदलने का फैसला रेलवे बोर्ड द्वारा जोनल रेलवे को सदियों पुराने कोचों का नवीनीकरण करके रेल-थीम वाले भोजनालय स्थापित करने के लिए लिया गया है। इन रेस्टोरेंट में लोकल फूड के अलावा, अन्य प्रचलित मीनू सर्व किए जाते हैं और इसके रेट कांट्रेक्टर निर्धारित करता है जो रेलवे द्वारा अनुमोदित बाजार दरों के अनुसार होते हैं।

सबके लिए विन-विन सिचुएशन

इसकी शर्तों के तहत कोच, ट्रैक और ड्रेनिंग सिस्टम रेलवे की ओर से प्रदान की जाती है, जबकि बिजली और पानी का शुल्क ठेकेदार द्वारा वहन किया जाएगा। इसके एक कोच में 40 लोग बैठें सकेंगे और जरूरत पड़ने पर कोच के बाहर टेबल लगाने के लिए जगह दी जा सकती है। अगर कोच एसी है तो इसके अन्दर 10 टेबल लगाने के लिए पर्याप्त जगह है।

रेलवे की आय में होगा इजाफा

मध्य रेलवे से मिली जानकारी के अनुसार, सीएसएमटी के रेस्टोरेंट से लाइसेंस शुल्क के रूप में प्रति वर्ष आय 28 लाख रुपए की आमदनी हो रही है। अधिकारियों ने अनुमान लगाया है कि एलटीटी पर लाइसेंस शुल्क से 51 लाख रुपए है और दादर में प्रति वर्ष 58 लाख रुपए की आमदनी होने की संभावना है। यानि कि यात्रियों को मनोरंजक व्यंजन तो मिलेगा ही, रेलवे की कमाई भी होगी।

आपदा प्रबंधन कंट्रोल रूम की स्थापना पर जारी किए सपंर्क नम्बर

विरार : वसई विरार शहर महानगरपालिका के अधिकार क्षेत्र में मानसून के दौरान उत्पन्न होने वाली विभिन्न समस्याओं के समाधान के लिए विविसीएमसी के आपदा प्रबंधन विभाग के माध्यम से वसई विरार शहर महानगरपालिका के ९ वार्ड समिति कार्यालयों में आपदा प्रबंधन नियंत्रण कक्ष स्थापित किए गए हैं। साथ ही दीवानमान में स्थायी मुख्य आपदा प्रबंधन नियंत्रण कक्ष कार्यरत है तथा मानसून के दौरान उत्पन्न होने वाली समस्याओं, कठिनाइयों एवं प्राकृतिक आपदाओं का समाधान आपदा प्रबंधन कक्षों के माध्यम से किया जायेगा। कंट्रोल रूम २४ घंटे काम करेगा और मानसून के दौरान उत्पन्न होने वाली विभिन्न समस्याओं के समाधान के लिए नागरिक यहां के टेलीफोन नंबरों पर संपर्क कर सकते हैं। आपदा प्रबंधन नियंत्रण कक्ष संपर्क संख्या वार्ड समिति का नाम,नियंत्रण कक्ष संपर्क नं. (१). प्रभाग समिती 'ए' बोळींज ९६६५००२८२०, (२). प्रभाग समिती 'बी' विरार पूर्व ९६६५००२८४७, (३). प्रभाग समिती 'सी' चंदनसार ९६६५००३२७२, (४). प्रभाग समिती 'डी' आचोळे ९६६५००३३६४ (५). प्रभाग समिती 'ई' नालासोपारा ९६६५० ०३५११, (६). प्रभाग समिती 'एफ' पेल्हार ९६६५० ०३८४५ (७). प्रभाग समिती 'जी' वालीव ९६६५००३८८७ (८). प्रभाग समिती 'एच'नवघर-माणिकपूर ९६६५००४४८४, (९). प्रभाग समिती 'आय' वसई ९६६५००४०५५ (१०). मुख्य आपत्ती व्यवस्थापन नियंत्रण कक्ष, दिवाणमान ०२५०२३३४५४६/ २३३४५४७/ ७०५८९१११२५/ ७०५८९९१४३०।

मौज-मस्ती करने के लिए पति-पत्नी बने चोर, कोपरखैरणे पुलिस ने किया गिरफ्तार

नवी मुंबई : कोपरखैरणे पुलिस ने एक ऐसे पति-पत्नी को गिरफ्तार किया है जो महज मौज मस्ती करने के लिए चोर बन गए। गिरफ्तार की गयी महिला के पिता पुलिस कर्मचारी हैं। पुलिस अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि कुछ दिनों पहले इन दोनों ने प्रेम विवाह किया था। दोनों की पहचान सोशल मीडिया के माध्यम से हुई थी और दोनों लोग शिक्षित भी हैं। पुलिस के अनुसार, इन दोनों को मौज-मस्ती की आदत थी जिसकी वजह से वेतन से गुजारा नहीं होता था, तब दोनों ने मिलकर चोरी करना शुरू कर दिया।

इस बारे में जानकारी देते हुए बताया गया कि पिछले कुछ दिनों से कोपरखैरणे परिसर में बंद घरों का ताला तोड़कर घर का सामान चोरी होने की घटनाओं में इजाफा हुआ था। इसी मामले में पुलिस ने एक टीम बनाकर चोरों की तलाश में जुटी थी। पुलिस के अनुसार, इस मामले में सीसीटीवी भी खंगाले जा रहे थे। जांच के दौरान पुलिस को इन दोनों के बारे में पता चला तो पुलिस ने जांच के लिए इन दोनों पति-पत्नी को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया।

पुलिस ने बरामद किया चोरी का आभूषण

पुलिस हिरासत में जब इन दोनों से पूछताछ की गयी तो दोनों ने चोरी करने की बात स्वीकार की। इसके बाद पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार किए गए दोनों में 21 वर्षीय वैशाली जाधव और 26 वर्षीय श्रेयस जाधव है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इन दोनों ने कई घरों में चोरी की बात को स्वीकार की है और पुलिस ने इन दोनों के पास से चुराए गए सोने-चांदी के आभूषण भी बरामद किये हैं। जिसकी कीमत 2 लाख 22 हजार के आसपास बताई गयी है। पुलिस के अनुसार, श्रेयस शादी से पहले सेल्समैन की नौकरी करता था। दोनों के बीच प्यार हुआ फिर दोनों ने शादी कर ली, लेकिन शादी के बाद सिर्फ वेतन से काम नहीं चल रहा था इसलिए दोनों ने मिलकर चोरी करना शुरू कर दिया। जिसके बाद दोनों पकड़े गए और हवालात पहुंच गए।

'मुंबई में हुई थी बड़ी डील...' शूटर विजय ने बताया संजीव जीवा को सरेआम गोली क्यों मारी?

मुंबई : शूटर विजय यादव ने उत्तर प्रदेश के गैंगस्टर संजीव जीवा की सरेआम हत्या क्यों की? इस सवाल का जवाब विजय ने पुलिस को पूछताछ में दिया है. उसने ये भी बताया है कि संजीव जीवा हत्याकांड को अंजाम देने के लिए एक बड़ी डील मुंबई में हुई थी. आजतक से जुड़े संतोष शर्मा की रिपोर्ट के मुताबिक शुरूआती पूछताछ में विजय यादव ने बताया है कि उसने ये मर्डर पैसों के लिए किया था. उसे इस हत्याकांड के लिए बड़ी रकम एडवांस में दे दी गई थी. विजय यादव के मुताबिक घटना में इस्तेमाल की गई मैग्नम अल्फा रिवाल्वर उसे बहराइच के किसी अंजान व्यक्ति ने दी थी.

7 जून को कार्ट में हुई हत्या

लखनऊ की एक अदालत में 7 जून को गैंगस्टर संजीव जीवा की सुनवाई थी. जीवा कोर्ट में पहुंचा. उसी दौरान वकील के भेस में आए हमलावर विजय यादव ने उस पर ताबड़तोड़ गोलियां चला दीं. गोली लगते ही जीवा अदालत परिसर में गिर गया और वहीं दम तोड़ दिया. विजय यादव ने भागने की कोशिश की, लेकिन उसे वकीलों ने पकड़ लिया. ज्वाइंट कमिश्नर ऑफ पुलिस लॉ एंड ऑर्डर लखनऊ उपेंद्र अग्रवाल ने बताया कि दो पुलिसकर्मी भी हमले में घायल हुए. हालांकि, पुलिसकर्मी खतरे से बाहर हैं. इसके अलावा वहां पर एक महिला भी अपने पति और बच्चे के साथ थीं, जो चोटिल हो गईं. उनकी उंगली में चोट आई है. एक बच्चा भी चोटिल हुआ है, जिसका इलाज चल रहा है.

संजीव जीवा की पुलिस सुरक्षा में हत्या के मामले में सब इंस्पेक्टर की तहरीर पर [illegible] दर्ज की गई है. सब इंस्पेक्टर उदय प्रताप सिंह की तरफ से आरोपी विजय यादव के खिलाफ केस दर्ज कराया गया है. लखनऊ के वजीरगंज थाने में हत्या, हत्या का प्रयास, लोक सेवक को चोट पहुंचाने समेत IPC की कई धाराओं में केस दर्ज हुआ है. रिपोर्ट के मुताबिक पोस्टमार्टम में खुलासा हुआ है कि संजीव जीवा को 6 गोलियां मारी गई थीं. 4 सीने में लगीं और दो गोली सीने से नीचे के हिस्से में लगीं. आरोपी ने प्रोफेशनल शूटर की तरह वारदात को अंजाम दिया. जानकारी ये भी मिली है कि संजीव जीवा को मैग्नम अल्फा रिवॉल्वर से गोली मारी गई, जो बेहद खतरनाक मानी जाती है.

जीवा यूपी के शामली का रहने वाला था. इंडिया टुडे/आजतक की रिपोर्ट के मुताबिक वो फिलहाल लखनऊ की जेल में बंद था. उसे गैंगस्टर से नेता बने मुख्तार अंसारी का करीबी बताया जाता था. संजीव जीवा का नाम उस समय सबसे ज्यादा यूपी में चर्चा में आया था, जब उसने एक इशारे पर बीजेपी के बड़े नेता ब्रह्मदत्त द्विवेदी की हत्या कर दी थी.

निमार्णाधीन खाली मकान के सातवें मंजिल से गिरने से महिला की मौत...दो हिरासत में

ठाणे : महाराष्ट्र के नवी मुंबई में निमार्णाधीन, खाली पड़े मकान के सातवें मंजिल से गिरकर 19 वर्षीय महिला की मौत हो गई। युवती इस मकान में अपने दोस्तों के साथ जश्न मना रही थी, जहां शराब भी परोसी गई थी। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। बेलापुर में एनआरआई पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि घटना बृहस्पतिवार को शाम करीब पांच बजे हुई और पुलिस ने महिला के दो पुरुष मित्रों को हिरासत में लिया है। उन्होंने कहा, ''महिला भी उनकी दोस्त थी जो इस निमार्णाधीन और खाली पड़े मकान के सातवें तल पर शराब पार्टी कर रहे थे। शुरूआती जांच के अनुसार पुलिस को पता चला कि पीड़ित दुर्घटनावश नीचे गिर गई और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हालांकि पुलिस घटना के इस पहलू की पुष्टि कर रही है। अधिकारी ने कहा कि घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस की एक टीम घटनास्थल पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेजा।

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : शनिवार 10 जून 2023

भिवंडी से ठाणे की यात्रा होगी आसान...

माजीवाड़ा से वडपे तक हाईवे विस्तारीकरण का कार्य तेजी से शुरू

भिवंडी : मुंबई-नासिक हाईवे द्वारा भिवंडी से ठाणे, मुंबई यात्रा करने वाले लाखों लोगों को ट्रैफिक जाम से छुटकारा मिलने की आस बढ़ गई है। केंद्रीय पंचायत राज्य राज्य मंत्री कपिल पाटिल के प्रयासों से ठाणे स्थित मजीवाड़ा से वड़पे समृद्धि मार्ग तक 4 लेन से बढ़ाकर अब 8 लेन मार्ग का निर्माण बेहद तेजी से शुरू है। हाईवे पर लेन बढ़ने से कपड़ा नगरी भिवंडी से ठाणे जाना बेहद आसान हो जाएगा। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी की मंजूरी से 185 करोड़ रुपए की लागत से 8 लेन हाईवे निर्माण से करीब 1 वर्ष में ही मार्ग पर लगने वाले भयंकर जाम से छुटकारा मिलने के आसार प्रबल हो गए हैं।

15 किलोमीटर की दूरी को तय करने में लगते है इतने घंटे

गौरतलब है कि मुंबई-नासिक महामार्ग पर प्रतिदिन दूरदराज शहरों से हजारों हैवी वाहनों के आवागमन से भयंकर जाम लगा रहता है। भयंकर जाम में फंस कर आपातकालीन सेवाएं भी प्रभावित होती हैं। ट्रैफिक जाम की वजह से एंबुलेंस, स्कूल बसों में बैठे विद्यार्थी सहित तमाम अत्यावश्यक सेवाएं हमेशा लेट होती हैं। भिवंडी राजनोली नाका से ठाणे मजीवाड़ा तक की करीब 15 किलोमीटर की दूरी को तय करने में दुपहिया, चार पहिया, एसटी बस, सरकारी वाहन चालकों को करीब 2-3 घंटे लगना आम बात हैं। भिवंडी मनपा, तहसील, प्रांत कार्यालय आदि सरकारी संस्थानों

में आने वाले तमाम अधिकारी, कर्मचारी भयंकर जाम से त्रस्त होकर अन्यत्र ट्रांसफर के लिए भागदौड़ कर चले जाते हैं। मुंबई-नासिक हाईवे पर भारी वाहनों की वजह से निरंतर लगने वाले भयंकर जाम की वजह से भिवंडी से ठाणे, मुंबई जाने वाले तमाम स्कूली छात्र-छात्राएं भी थका हुआ चेहरा लेकर घर लौटते हैं।

केंद्रीय मंत्री कपिल पाटिल का प्रयास रंग लाया

केंद्रीय मंत्री कपिल पाटिल के प्रयासों से केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी द्वारा 185 करोड़ रुपए की राशि 8 लेन मार्ग के लिए मंजूर की गई है। मुंबई-नासिक हाईवे से प्रतिदिन यात्रा करने वाले नागरिकों को आशा है कि 4 लेन का मार्ग 8 लेन हो जाने की वजह से ठाणे से भिवंडी आवागम बेहद सरल सहित ट्रैफिक समस्या से हमेशा के लिए छुटकारा मिल जाएगा। 4 से 8 लेन का निर्माण कार्य मजीवाड़ा से वड़पे तक तेजी से शुरू है। करीब 1 वर्ष में मुंबई-नासिक हाईवे ठाणे मजीवाड़ा से वड़पे तक पूर्ण होकर समृद्धि मार्ग में जुड़ जाएगा। भिवंडीकरों ने वर्षों से मुंबई-नासिक हाईवे पर अनवरत हो रहे जाम से छुटकारा दिलाने के लिए 4 से 8 लेन का महामार्ग निर्माण करने में अहम भूमिका निभाने वाले केंद्रीय मंत्री कपिल पाटिल का आभार व्यक्त किया हैं।

नागरिकों के लिए खुशी की खबर है। मुंबई-नासिक हाईवे ठाणे माजीवाड़ा से वडपे तक 4 लेन से 8 लेन होने से यात्रियों को आवागमन में भारी सहूलियत मिलेगी। प्रतिदिन जाम से परेशान रहे लाखों लोगों की यातायात सुविधा के लिए केंद्रीय मंत्री कपिल पाटिल द्वारा उठाया गया कदम बेहद सराहनीय है। माजीवाडा से वडपे तक मुंबई-नासिक हाईवे विस्तारीकरण से ठाणे, मुंबई जाने वाले भिवंडीकरों को जाम से हमेशा के लिए मुक्ति मिल जाएगी। ठाणे, मुंबई जाने में समय की बचत भी होगी। नागरिकों की सुविधा के लिए निमार्णाधीन 8 लेन से आगामी समय में दूरदराज शहरों की यात्रा भी आसान हो जाएगी।

खुले गटर और ड्रेनेज लाइन के ढक्कन नहीं होने की समस्या

हाईकोर्ट की मनपा को लगाई फटकार

मुंबई : महानगर मुंबई में खुले गटर और ड्रेनेज लाइन के ढक्कन नहीं होने की समस्या को लेकर मुंबई हाईकोर्ट ने मनपा प्रशासन को जमकर फटकार लगाई है। मानसून के दौरान खुले मैनहोल को लेकर मनपा के पास क्या समाधान है? ऐसा सीधा सवाल हाई कोर्ट ने मनपा प्रशासन से किया है। इसके साथ ही कोर्ट ने खुली गटरों की समस्या पर तत्काल कदम उठाने के लिए मनपा प्रशासन को सख्त निर्देश दिए हैं।

मुख्य न्यायाधीश नितिन एम. जामदार और न्यायमूर्ति संदीप वी. मार्ने की खंडपीठ ने आगामी बरसात के मौसम को देखते हुए तत्काल खुले मैनहोल को लेकर कार्रवाई की जरूरत है, ऐसा निर्देश मनपा प्रशासन को दिया है। कोर्ट ने स्पष्ट कहा है कि मानसून के दौरान खुले मैनहोल की समस्या को तत्काल दूर करने के लिए एक विशेष सेल का गठन करें। मनपा की ओर से कोर्ट को बताया गया कि मुंबई में सभी प्रमुख सड़कें और खराब सड़कों और गड्ढों से संबंधित जन शिकायतों के निवारण के लिए एक तंत्र तैयार किया जा रहा है। साथ ही मनपा मैनहोल और उसके बॉडी और ढक्कन की जियो-टैगिंग का विकल्प तलाश रही है ताकि मैनहोल कवर चोरी होने की स्थिति में वार्ड अधिकारी त्वरित कार्रवाई कर सकें। उच्च न्यायालय की अवकाश पीठ ने २५ मई को मनपा को निर्देश दिया था कि वह शहर भर में सभी मैनहोल को कवर करने के लिए उठाए जा रहे कदमों के बारे में बताएं।

वरिष्ठ वकील रूजू ठक्कर ने एक अवमानना याचिका दायर की थी, जिस पर सुनवाई के दौरान मनपा पर आरोप लगाया गया कि मनपा अधिकारी मैनहोल को लेकर फरवरी और अप्रैल २०१८ के उच्च न्यायालय के आदेशों को लागू करने में विफल रहे हैं। मैनहोल खुले होने से कइयों की मौत हो चुकी है। याचिकाकर्ता ने दावा किया कि बांद्रा (पश्चिम) में एक सड़क पर सेफ्टी ग्रिल के बिना चार खुले मैनहोल थे, जो कि पैदल चलने वालों और वाहनों के लिए खतरा बन गए थे। ठक्कर ने बुधवार को कहा कि मैनहोल पर कोई सेफ्टी ग्रिल आज भी नहीं हैं। सभी अनुपालन कागजों पर दिखाए गए लेकिन वास्तव में जमीन पर कुछ भी नहीं किया गया, जिस पर कोर्ट ने मनपा से जवाब तलब किया।

वसई-विरार में संभलकर चलिए, सावधानी हटी तो दुर्घटना घट जाएगी

विरार : वसई-विरार शहर में तेजी से बढ़ती जनसंख्या और उसी के अनुपात में बढ़ते वाहनों की संख्या शहर की रफ्तार में बाधा तो बन ही रही थी। ऐसे में शहर भर में खोदकर छोड़े गए सड़कों पर गड्ढे यातायात व्यवस्था को और भी बाधित कर रहे हैं। गड्ढों के कारण जगह-जगह यातायात जाम जैसे हालात उत्पन्न हो रहे हैं। इसके साथ ही मानसून भी अब आकार लेने लगा है। बारिश कभी भी आ सकता है, यदि शहर में आधे घंटे भी बरसात हुए तो हालात बद से बदतर हो जाएंगे।

ऐसे में वसई-विरार की सड़कों पर नागरिकों को संभलकर चलने की आदत बनानी होगी क्योंकि सावधानी हटी तो दुर्घटना घट जाएगी। अगर संभले नहीं तो जगह-जगह वाहन चालकों के साथ ही राहगीर दुर्घटना के शिकार होंगे, लेकिन महानगरपालिका इन समस्याओं को नजरअंदाज कर रही है, जबकि वसई-विरार महानगरपालिका ने क्षेत्र में गुजरात गैस पाइपलाइन बिछाने के लिए 15 मई तक का समय निर्धारित किया था, जिसे बाद में 10 दिन और बढ़ा दिया गया था। उसके बावजूद आज भी वसई-विरार शहर गड्ढों में तब्दील है। खुदाई की गई सड़कें आज भी उसी हालत में हैं। गड्ढों से बाहर निकाल कर छोड़ी गई मिट्टी तेज हवा के कारण आस-पड़ोस के दुकानदारों की परेशानी बढ़ा रहा है।

आठ दिनों में भर दिए जाएंगे शहर के गड्ढे

नागरिकों का कहना है कि महानगरपालिका गैस पाइपलाइन बिछाने के लिए खुदाई का काम करवा रही है, लेकिन उसे इस बात का भी विशेष ध्यान देना चाहिए कि नागरिकों को इससे कोई दिक्कत न हो, लेकिन वर्तमान हालात खुद बयां कर रहा है कि महानगरपालिका के अधिकारियों को क्षेत्र के नागरिकों की समस्या से कोई लेना-देना नहीं है। वसई-विरार शहर मनपा के कार्यकारी अभियंता राजेंद्र लाड ने बताया कि आने वाले आठ दिनों के अंदर शहर के गड्ढों को भर दिया जाएगा।

नवजात के रोने से इस कदर नाराज हुई नर्स, मुंह पर पट्टी चिपका दी, निलंबित

मुंबई : मनपा द्वारा संचालित भांडुप के सावित्रीबाई फुले प्रसूति अस्पताल में मानवता को शर्मसार करनेवाला चेहरा उजागर हुआ है। यहां एनआईसीयू में कार्यरत नर्स नवजात के रोने से इस कदर नाराज हुई कि उसने दुधमुंहे के रोने की आवाज को बंद करने के लिए उसके मुंह पर ही पट्टी चिपका दी। यह मामला सामने आने के बाद उक्त क्रूर नर्स को निलंबित कर दिया गया, जबकि एक अन्य नर्स को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। बताया गया है

कि बच्चे की हालत में भी सुधार होने लगा है। मिली जानकारी के मुताबिक, मुंबई मनपा द्वारा संचालित भांडुप स्थित सावित्रीबाई फुले प्रसूति गृह में एक हैरान कर देनेवाली घटना सामने आई है, जिसमें इस बात का खुलासा हुआ है कि अस्पताल में कार्यरत एक नर्स ने रोते हुए नवजात की आवाज को बंद करने करने के लिए उसके मुंह पर पट्टी चिपकाने का घिनौना काम किया है। जानकारी के अनुसार, सुप्रिया कांबले (बदला हुआ नाम) नामक एक महिला ने कुछ दिन पहले इसी अस्पताल में एक बच्चे को जन्म दिया था। इस बीच पीलिया होने की वजह से नवजात को एनआईसीयू यूनिट में रखा गया था। बच्चे की स्थिति जानने के लिए जब सुप्रिया एनआईसीयू यूनिट पहुंची तो उसने देखा कि उसके बच्चे के मुंह पर पट्टी चिपकाई गई है। साथ की रोने की वजह से बच्चे का मुंह लाल हो गया है। अपने बच्चे की ये हालत देखकर सुप्रिया हैरान रह गई। बच्चे की इस हालत के बारे में जब उसने नर्स से पूछताछ कि तो नर्स ने बड़ी ही बेरुखी और अपमानजनक भाषा में उससे बात की।

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : शनिवार 10 जून 2023

रूस से रवाना हुई एअर इंडिया फ्लाइट अमेरिका पहुंची

40 घंटे बाद मंजिल पर उतरे यात्री, मंगलवार को तकनीकी खराबी के बाद हुई थी इमरजेंसी लैंडिंग

नई दिल्ल। रूस के मगदान में फंसे भारतीय यात्रियों को लेकर एअर इंडिया की रिप्लेसमेंट फ्लाइट अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को पहुंच गई है। इसने भारतीय समयानुसार गुरुवार दोपहर 12:07 पर सैन फ्रांसिस्को में लैंड किया। एअर इंडिया ने बताया कि बोइंग 777-200 LR एयरक्राफ्ट की फ्लाइट AI173 में सभी 216 पैसेंजर्स और 16 क्रूमेंबर्स मौजूद थे।

ये यात्री मंगलवार को सुबह 4:05 बजे नई दिल्ली से अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को के लिए एअर इंडिया की फ्लाइट से रवाना हुए थे। इंजन में खराबी के चलते रूस के मगदान एयरपोर्ट पर दोपहर 2:10 बजे इस फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। यात्रियों को

सैन फ्रांसिस्को पहुंचाने के लिए बुधवार को एअर इंडिया की फ्लाइट मुंबई से रवाना हुई थी। एअर इंडिया ने गुरुवार सुबह एक ट्वीट करके बताया था कि इस फ्लाइट ने 8 जून को मगदान एयरपोर्ट से भारतीय समय के मुताबिक, सुबह 4:57 बजे उड़ान भरी है। ये सैन फ्रांसिस्को एयरपोर्ट पर भारतीय समय के मुताबिक, 8 जून की को दोपहर 12.45 पर लैंड होने वाली थी, लेकिन 7 मिनट पहले ही लैंड हो गई। एयर इंडिया ने जानकारी दी है कि सैन फ्रांसिस्को एयरपोर्ट पर एडिशनल ऑन-ग्राउंड सपोर्ट को तैनात किया गया है, ताकि सभी यात्रियों के आते ही क्लियरेंस फॉर्मेलिटी पूरी की जा सकें। इसके साथ ही पैसेंजर्स को मेडिकल केयर, ग्राउंड ट्रांसपोर्टेशन और जहां जरूरी होगा वहां कनेक्टिंग फ्लाइट्स की सुविधा भी दी जाएगी।

मगदान में भारतीयों को खाने को दिया सूप-रोटी

रूस के मगदान में फंसे भारतीय यात्रियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। मगदान में फंसे पैसेंजर्स में से एक ने वीडियो शेयर करके लोगों को हो रही परेशानियों के बारे में जानकारी दी। उसका दावा है कि खाने-पीने में दिक्कत आ रही है।

जिंदगी की जंग हारी बोरवेल में गिरी सृष्टि

रोबोटिक टेक्निक से खींचा बाहर, करीब 50 घंटे चला रेस्क्यू ऑपरेशन

सीहोर। मध्यप्रदेश के सीहोर के मुंगावली गांव में 300 फीट गहरे बोरवेल में गिरी बच्ची जिंदगी की जंग हार गई। 3 साल की मासूम सृष्टि को करीब 52 घंटे बाद बोरवेल से बाहर निकाला गया। रेस्क्यू टीम ने उसे रोबोटिक टेक्निक से बाहर खींचा। बच्ची कोई रिस्पॉन्स नहीं कर रही थी। उसे एंबुलेंस से सीधे जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए ले जाया गया। बच्ची 150 फीट की गहराई पर फंसी थी।

रोबोट टीम के प्रभारी महेश आहीर ने बताया कि जब बच्ची को बाहर निकाला गया, तब वह बेहोश थी। वह किसी प्रकार से रिस्पॉन्स नहीं कर रही थी। हमने रोबोट के डेटा के साथ सेना, एनडीआरएफ की मदद से पूरा रेस्क्यू किया है। बच्ची के बाहर आते ही डॉक्टर ने बच्ची को लिया और एंबुलेंस में लेकर उसे अस्पताल लेकर रवाना हो गए।

सृष्टि नाम की 3 साल की ये बच्ची मंगलवार दोपहर करीब एक बजे खेलते-खेलते खेत में बने बोर में गिर गई थी। उस वक्त वह 29 फीट गहराई पर अटक गई थी। लेकिन रेस्क्यू के दौरान हुई खुदाई के कंपन से वह नीचे खिसकती गई। मौके पर SDRF, NDRF और आर्मी की रेस्क्यू में जुटी

थी। गुरुवार को सुबह 9 बजे दिल्ली की रोबोटिक टीम ने भी मौके पर पहुंचकर ऑपरेशन शुरू किया। दोपहर बाद तेज हवा और बारिश होने से रेस्क्यू प्रभावित भी हुआ। रोबोटिक टीम ने शाम करीब साढ़े 5 बजे बच्ची को बाहर निकाला। रोबोटिक टीम के प्रभारी महेश आर्य ने बताया कि रोबोट को बोरवेल में डाला था, उससे मिले फर्स्ट डेटा को स्कैन किया गया। इससे पता चला कि बच्ची की क्या हालत है और किस प्रकार से रेस्क्यू करना चाहिए।

बोर मालिक और बोर कर्ता पर केस

एसपी मयंक अवस्थी ने बताया कि दुर्भाग्यपूर्ण घटना घटित हुई है। इस मामले में वैधानिक नियमों के अनुसार कार्रवाई की जा रही है। बोर मालिक और बोर कर्ता पर केस दर्ज किया गया है। धारा 181 और 308 आईपीएस के तहत एफआईआर दर्ज की है। पीएम रिपोर्ट के बाद धारा 304 का इजाफा कर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

मां बोली- मुझे पुकारते हुए बोरवेल में चली गई

बच्ची की मां ने बुधवार सुबह बताया कि सृष्टि खेलते-खेलते बोरवेल में चली गई। मैंने उसे देखा तो मैं दौड़ लगाकर गई, तब तक वह बोरवेल में चली गई। मेरी बेटी मेरी आंखों के सामने मुझे पुकारते हुए बोर में गिर गई। वह रो रही थी। मैंने सबसे पहले मेरी सास को बुलाया। वह बोर पड़ोसी का है। मेरी दो बच्चियां हैं। सृष्टि सबसे बड़ी है।

पुल के पिलर से रेस्क्यू किए गए बच्चे की मौत

25 घंटे की मशक्कत के बाद निकाला गया था, हालत गंभीर थी

सासाराम (रोहतास)। बिहार में रोहतास जिले में सोन नदी पर बने पुल के दो पिलर के बीच फंसे 11 साल के बच्चे की रेस्क्यू के बाद मौत हो गई है। 25 घंटे के ऑपरेशन के बाद उसे बाहर निकाला गया। बच्चे को गंभीर हालत में सासाराम सदर अस्पताल पहुंचाया

गया था, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इससे पहले एनडीआरएफ और एसडीआरएफ के 3 अफसर और 35 जवानों ने 25 घंटे तक रेस्क्यू चलाया। बच्चे का नाम रंजन कुमार था। उसे बुधवार सुबह 11 बजे पिलर के गैप में देखा गया था। शाम 4 बजे से उसका रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया था। गुरुवार सुबह उसे बांस की मदद से खाना दिया गया। पाइप से ऑक्सीजन दी गई। पहले पिलर में तीन फीट चौड़ा होल किया गया, लेकिन रेस्क्यू में फिर दिक्कत आ गई।

मनीष सिसोदिया 103 दिन बाद बीमार पत्नी से मिले-7 घंटे की जमानत मिली थी; पत्नी का आरोप- पुलिस हमारी बातें सुन रही थी

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया ने बुधवार को अपनी पत्नी सीमा सिसोदिया से 103 दिन बाद मुलाकात की। सीमा मल्टीपल स्केलेरोसिस नाम की बीमारी से जूझ रही हैं। दिल्ली हाईकोर्ट ने सिसोदिया को पत्नी से मिलने के लिए 7 घंटे

की जमानत दी थी। मुलाकात के बाद सीमा ने आरोप लगाया कि 7 घंटे की मुलाकात के दौरान पुलिस उनके बेडरूम के दरवाजे पर बैठी रही। पुलिस उन्हें लगातार देख रही थी और उनकी हर बात सुन रही थी। सीमा ने फेसबुक पर एक नोट शेयर कर कहा कि शायद इसीलिए कहते हैं कि राजनीति गंदी है।

सीमा बोलीं- शुभचिंतकों ने राजनीति में नहीं जाने को कहा था

सीमा ने नोट में लिखा कि आम आदमी पार्टी के बनने के समय बहुत सारे शुभचिंतकों ने कहा था कि राजनीति के चक्कर में मत पड़ो। यहां पहले से बैठे लोग काम नहीं करने देंगे और फैमिली को अलग परेशान करेंगे। लेकिन मनीष की जिद थी।

उन्होंने अरविंद जी और अन्य लोगों के साथ पार्टी बनाई और काम भी करके दिखाया। इनकी राजनीति ने बड़े-बड़े लोगों को शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली और पानी के मुद्दे पर बात करने पर मजबूर किया।

सिसोदिया ने जेल में दुनिया का शिक्षा का इतिहास

जबलपुर में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का मुख्य कार्यक्रम होना प्रदेश का सौभाग्य: शिवराज सिंह चौहान

योग से 25 करोड़ लोगों को जोड़ा जाएगा: केन्द्रीय मंत्री श्री सोनोवाल

भोपाल। मुख्यमंत्री ने कहा है कि यह हमारा सौभाग्य है कि मध्यप्रदेश को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के राष्ट्रीय कार्यक्रम की मेजबानी का अवसर मिला है। जबलपुर में होने वाले इस कार्यक्रम की व्यापक स्तर पर तैयारियाँ जारी हैं। केन्द्रीय आयुष मंत्रालय, रामचंद्र मिशन हार्ट फुलनेस संस्थान, जन अभियान परिषद और योग आयोग के सहयोग से प्रदेश की सभी शालाओं, वार्ड, ग्राम और योग को समर्पित संस्थाओं को योग दिवस कार्यक्रम से जोड़ा जाएगा। वसुधैव कुटुम्बकम् के लिए योग की थीम पर हो रहे इस कार्यक्रम से जन-जन को योग की सकारात्मकता से जुड़ने का मौका मिलेगा। मुख्यमंत्री चौहान, केंद्रीय आयुष मंत्री सर्वानंद सोनोवाल के साथ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-21 जून को जबलपुर में होने वाले राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम के लिए जारी तैयारियों की निवास कार्यालय में समीक्षा कर रहे थे।

केन्द्रीय मंत्री सोनोवाल ने कहा कि कार्यक्रम से 25 करोड़ लोगों को जोड़ा जाएगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में योग को मानव जीवन का

अभिन्न हिस्सा बनाने के प्रयास व्यापक स्तर पर जारी हैं। जन-भागीदारी को प्रोत्साहित कर योग को जन-आंदोलन का स्वरूप दिया जा सकता है। इस दिशा में मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री चौहान के नेतृत्व में योग के विस्तार के लिए हुए कार्य सराहनीय हैं। जन-जन योग को आत्मसात करें, इसके लिए सूचना, शिक्षा और संचार की गतिविधियों का अधिक से अधिक विस्तार जरूरी है।

कृषकों के सुझावों को शामिल कर प्रक्रियाओं को सुगम-सरल बनाये राजस्व विभाग: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने कहा है कि किसानों से संबंधित राजस्व विभाग के कार्यों जैसे नामांतरण, बंटवारा, दाखिल-खारिज आदि की प्रक्रिया के सरलीकरण संबंधी सुझाव देने के लिए किसान मंच की समिति बनाई जाए। राजस्व विभाग समिति सदस्यों के सुझावों को शामिल करते हुए विभाग के रोजमर्रा के कार्यों की प्रक्रिया को सुगम एवं सरल बनाएँ। क्षमता से अधिक माँग वाले ट्रांसफार्मर्स की क्षमता बढ़ाई जाएगी। बिजली आपूर्ति के संबंध में आ रही समस्याओं के निराकरण के लिए 13 हजार करोड़ रूपए की राशि से विद्युत व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण का कार्य प्रदेश में आरंभ हो रहा है, इससे किसानों को राहत मिलेगी। खेतों में लगे सागौन और अन्य वृक्षों को काटने और चिरान की अनुमति की प्रक्रिया को सरल किया जाएगा। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा है कि किसानों की समस्याओं के प्रति किसान मंच का दृष्टिकोण सकारात्मक और सुझाव व्यवहारिक हैं। किसान मंच

के सुझावों को योजनाओं के क्रियान्वयन में समाहित कर योजनाओं एवं कार्यक्रमों को अधिक व्यवहारिक और सुगम बनाया जा सकता है। कृषकों से जुड़े विभाग, समय-सीमा निर्धारित कर विभिन्न घटक पर कार्य करें। मुख्यमंत्री चौहान ने किसान मंच कार्यक्रम में किसान संघ के पदाधिकारियों सहित विभिन्न संगठन के प्रतिनिधियों से मंत्रालय में चर्चा के दौरान यह बात कही।

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : शनिवार 10 जून 2023

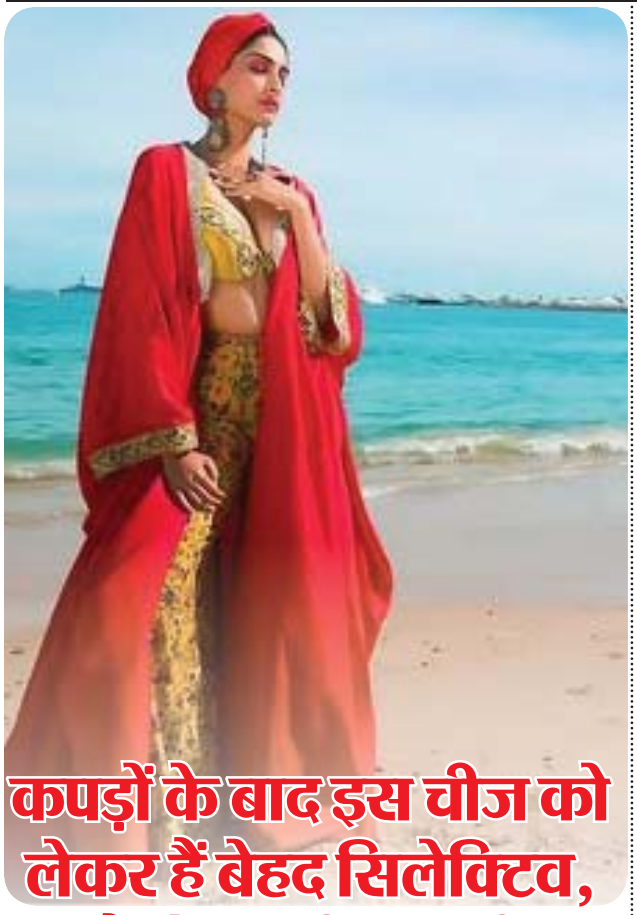

कपड़ों के बाद इस चीज को लेकर हैं बेहद सिलेक्टिव, कैसे बदली जिंदगी

सोनम कपूर आज अपना 38वां जन्मदिन मनाएंगी. बॉलीवुड में वो अच्छा-खासा मुकाम हासिल कर चुकी हैं, एक्ट्रेस आज बॉलीवुड की मोस्ट स्टाइलिश एक्ट्रेसस में से एक हैं, उन्हें फैशनिस्टा के रूप में जाना जाता है. एक्ट्रेस ने 2007 में आई ह्यसावंरियाह्न फिल्म से डेब्यू किया है. सोनम कपूर एक ऐसी एक्ट्रेस है, जो बचपन से ही खुद का खर्चा खुद से उठाती थीं. ज्यादा पॉकेट मनी कमाने के लिए एक्ट्रेस ने अपने कॉलेज के दिनों में वेट्रेस के रूप में भी काम किया है. जी हां सोनम कपूर (रङ्गल्लें डंस्त्रङ्गङ्ग१) ने 15 साल की उम्र में ही ये जॉब शुरू कर दी थी. सोनम ने अपने सभी महंगे कपड़ों और सामानों की खरीदारी खुद से की और कभी भी अपनी आवश्यकताओं के लिए अपने पिता और एक्टर अनिल कपूर पर निर्भर नहीं रहीं.

हालांकि वह एक फिल्मी बैकग्राउंड से आती हैं, लेकिन सोनम ने कभी एक्ट्रेस बनने के बारे में नहीं सोचा था. उन्होंने बॉलीवुड के सम्मानित फिल्म निमार्ता संजय लीला भंसाली के साथ सहायक निर्देशक के रूप में काम किया है. एक्ट्रेस ने 2005 में आई फिल्म ह्यब्लैकह्न में निर्देशक की सहायता की थी.

भंसाली इस दौरान सोनम को समझाते रहे कि वह एक्टिंग के लिए बनी हैं और उन्हें फिल्मों में हाथ आजमाना चाहिए. उन्होंने यह भी बताया कि उसकी पूरी छवि अजंता की पेंटिंग की तरह है. लगभग 1.5 साल तक उन्हें मनाने के बाद सोनम कपूर ने सावंरिया में काम करने के लिए हां की. वहीं इस फिल्म में आने से पहले सोनम कपूर ने 30 किलो वजन कम किया. जोया अख्तर पहले सोनम को ह्यजिंदगी ना मिलेगी दोबाराह्न के लिए कास्ट करना चाहती थीं, लेकिन सोनम ने इस ऑफर को ठुकरा दिया, यह देखते हुए कि यह तीन आदमियों के बारे में एक फिल्म थी और उनके पास फिल्म में रोल करने के लिए बहुत कम था. वहीं सोनम ने अब तक राझंणा, नीरजा, दिल्ली 6, वीरे द वैडिंग जैसी बेहतरीन फिल्में की हैं. नीरजा के लिए उन्हें नेशनल अवॉर्ड भी मिला था.

सोनम कपूर अपने आउटफिट को लेकर भी चर्चा में रहती हैं. सोशल मीडिया पर उनकी नई-नई फोटोज वायरल होती रहती हैं. कपड़ों और एसेसरीज के अलावा सोनम परफ्यूम को लेकर भी काफी चूजी हैं. उनके पसंदीदा ब्रांड चैनल, जीन पॉल गाल्टियर और डायर हैं.

रणबीर कपूर ने गाड़ी से उतरते ही दिखाया स्वैग

बॉलीवुड स्टार रणबीर कपूर इन दिनों अपनी फिल्म एनिमल को लेकर हर जगह छाए हुए हैं। लोगों की मानें तो इस फिल्म से रणबीर कपूर बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने वाले हैं। इस बीच आलिया भट्ट के पति रणबीर कपूर को पैपराजी ने स्पॉट किया है। रिपोर्ट्स की मानें तो रणबीर कपूर, प्रभास की फिल्म आदिपुरुष को प्रमोट करने टी सीरीज की ऑफिस पहुंचे हैं। इस दौरान की तस्वीरें अब सामने आ गई हैं। आइए नजर डालते हैं रणबीर की लेटेस्ट फोटोज पर....

रणबीर कपूर को पैपराजी अक्सर स्पॉट करते रहते हैं। अब एक बार फिर से उन्हें पैप्स ने अपने कैमरे में कैद कर लिया है। इस दौरान रणबीर कपूर काफी स्टाइलिश लग रहे थे। उन्होंने टी शर्ट और पैंट पहना था। साथ ही रणबीर ने काला चश्मा भी लगाया हुआ था।

इस दौरान रणबीर कपूर ने कैमरे के सामने पोज दिए हैं। उनका हर एक पोज इंटरनेट पर वायरल हो रहा है। इंटरनेट पर जैसे ही रणबीर कपूर की ये तस्वीरे सामने आई हैं वैसे ही फीमेल फैंस की धड़कनें तेज हो गईं।

एक्ट्रेस काजोल ने सोशल मीडिया से लिया ब्रेक

कहा- जिदंगी की कठिन परीक्षा से गुजर रही हूं...

बॉलीवुड एक्ट्रेस काजोल ने कहा है कि वह जिदंगी की सबसे कठिन परीक्षा से गुजर रही हैं और इसलिए वह सोशल मीडिया से ब्रेक ले रही हैं। शुक्रवार को काजोल ने इंस्टाग्राम से अपनी सभी तस्वीरों को आर्काइव कर लिया, जिसका मतलब है कि उन्होंने अस्थायी रूप से अपनी तस्वीरें छिपाई हैं।

उसके पास बस एक पोस्ट है, जिसमें लिखा है- जिंदगी की सबसे कठिन परीक्षा का सामना कर रही हूं। इस पोस्ट के कैप्शन में उन्होंने लिखा, सोशल मीडिया से ब्रेक ले रही हूं। फिलहाल, अभी तक यह पता नहीं चल पाया है कि वह ब्रेक क्यों ले रही हैं। फैंस का दावा है कि यह उनके अपकमिंग प्रोजेक्ट द गुड वाइफ के प्रमोशन की रणनीति है। हालांकि, कई लोगों ने एक्ट्रेस को सपोर्ट भी किया। एक ने कहा, आपके कमबैक का इंतजार है। वहीं, अन्य यूजर ने लिखा, आप मेरी प्रेरणा हैं।

मालिक , मुद्रक,प्रकाशक ,संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिंटिंग प्रेस , गाला नं 3 - 4 ,अमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट ,सोनावला क्रॉस रोड नं 12 ,गोरगांव (पूर्व),मुंबई 63 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। संपर्क कार्यालय : 1 -ए, ग्राउंड फ्लोर साहिल मेंशन, बालमिया लेन, माहिम वेस्ट मुंबई 400016 मोबाइल नं 9987 77 5650 व्हाट्सप्प नं 7977 40 8589 : Email -editor@rokthoklekhaninews.com .